P-1101

Total Pages : 3 Roll No. .....

DVS-104

वास्तु में विभिन्न साधन एवं अन्य विचार

Diploma in Vastu Shastra (DVS)

Ist Year Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 100**

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×26=52)

1. काकिणी विचार क्या है? विस्तृत व्याख्या कीजिए।

2. अकारादिवर्गों के स्वामी और दिशा पर प्रकाश डालिए।

3. ध्वजादि आयों की दिशा पर प्रकाश डालिए।

4. वास्तु के निर्धारण में आय की भूमिका स्पष्ट करिए।

5. वास्तुशास्त्र में पिण्ड क्या है इसके स्वरूप को स्पष्ट करते हुए पिण्ड साधन कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×12=48)

1. वर्ग विचार क्या है? विस्तृत रूप से लिखिए।

2. वास्तु सौख्य के अनुसार दैवज्ञ-पुरोहित-वैद्यगृहों के प्रमाणों का उल्लेख कीजिए।

3. चातुर वर्ण्य-गृहों के प्रमाण का उल्लेख कीजिए।

4. ब्राह्मण वर्ण के पञ्चविध गृहमान को बताएं।

5. द्वार वेध क्या है? स्पष्ट कीजिए।

6. त्याज्य द्वारों के विषय में बताएँ।

7. मुख्य द्वार निर्माण कैसे किया जाता है?

8. प्रतिपदादि तिथियों में द्वार स्थापन का क्या फल होता है?